स्थानीय संघ का चार-चार माह का प्रतिवेदन

(यह रिपोर्ट आषाढ़ पूर्णिमा/कार्तिक पूर्णिमा/फाल्गुन पूर्णिमा तक के चार माह की है।)

1. श्रावक संघ का शब्दशः नाम..
2. पत्र व्यवहार का पता..
3. अध्यक्ष का पूरा नाम..
4. मंत्री का पूरा नाम..
5. स्थानक का नाम व पूरा पता..

   ....
6. कुल जैन घर....................स्थानकवासी....................साधुमार्गी....................
7. भवन है या नहीं सामूहिक हो तो इसमें कौन–कौन से सम्प्रदाय शामिल हैं..

   ....
8. चातुर्मास के अलावा शेषकाल में विराजने वाले का विवरण–

Ø-l-	ie[k pkfj=kRekvk dk uke	fnukd@vof/k	fo'k"k

9. नित्य प्रतिक्रमण करने वाले भाई....................................बहनें....................
10. पाक्षिक प्रतिक्रमण करने वाले भाई....................................बहनें....................
11. समता शाखा उपस्थिति भाई....................................बहनें....................
12. धार्मिक पाठशाला–

f'k{kd dk uke	fdrus cPps	lIrkg esa fdrus fnu

13. नित्य स्थानक में स्वाध्याय उपस्थिति भाई....................................बहनें....................
14. महिलाओं का मंडल : सप्ताह में कितने दिन....................किस वार को....................

15. उपस्थिति– बहनें.....

16. साधुमार्गी संघ की परीक्षाएं–

Ø- l-	ijh{kk dk uke	ifr;kfx;k l[;k	ijh{kk dh fnuk d

17. महिने में : दया.....पौषध.....संवर.....

18. सुझाव / शिकायत.....

.....

.....

.....

.....

.....

नाम..... हस्ताक्षर.....

दिनांक..... पद.....